# पेराई में देरी से फायदे में चीनी मिलें

## गन्ने के ज्यादा समय तक खेतों में रहने से शुगर मिलें ज्यादा चीनी निकाल सकेंगी

[श्रेया जय & जयश्री *नई दिल्ली & पुणे*]

इस साल गन्ने का पेराई सीजन शुरू होने में देर हो सकती है। गन्ने की कीमत को लेकर छाई अनिश्चितता के कारण ऐसा होगा। हालांकि, इससे सिर्फ शुगर मिलों को फायदा होगा। गन्ने के ज्यादा समय तक खेतों में रहने के कारण इससे ज्यादा चीनी निकालना मुमकिन हो सकेगा। हालांकि, महाराष्ट्र सरकार ने शुगर मिलों को 1 नवंबर से पेराई चालू करने की इजाजत दे दी है, लेकिन राज्य की ज्यादातर मिलों के 10 नवंबर के बाद ही प्रोडक्शन शुरू करने की संभावना है।

राज्य में किसानों के संगठन ने गन्ने की कीमत पर अपना रुख साफ नहीं किया है। पिछले साल इस संगठन ने गन्ने की ऊंची कीमतों की मांग को लेकर जबरदस्त संघर्ष किया था। यह संगठन 8 नवंबर को एक सम्मेलन में अपनी मांगों का एलान करेगा।

आम चुनाव से पहले उत्तर प्रदेश के नेता इस मामले में किसानों का समर्थन कर रहे हैं। किसान गन्ने की ऊंची कीमत और बकाया रकम के भुगतान के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कुछ चीनी मिलों के खिलाफ पुलिसिया कार्रवाई से बिजनौर में मिलों के कुछ एग्जिक्यूटिव्स ने इस्तीफा दे दिया, जबकि बाकी इलाकों में मैनेजर हालात पर नजर रखे हुए हैं। इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन के डायरेक्टर जनरल अविनाश वर्मा ने बताया, 'गन्ने की मौजूदा कीमत पर यूपी में इसका कोई खरीदार नहीं होगा।'

उन्होंने कहा, 'यूपी में गन्ने की मौजूदा कीमत 280 रुपए प्रति क्विंटल है। आगामी चुनावों के मद्देनजर हाल में अखिलेश यादव की सरकार ने इसकी कीमत 240 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 280 रुपए प्रति क्विंटल की है। राज्य में चीनी की कीमत 29 रुपए प्रति किलो है।'

देश के तीसरे सबसे बड़े चीनी उत्पादक राज्य कर्नाटक की मिलें ऑपरेशन शुरू करने से पहले गन्ने की कीमत पर तस्वीर साफ होने का इंतजार कर रही हैं। हाल में राज्य के गन्ना कंट्रोल बोर्ड की बैठक हुई। कर्नाटक में गन्ना किसानों के संगठन के चेयरमैन के शांताकुमार ने बताया, 'मिल गन्ने की कीमत के एलान का इंतजार कर रही हैं, इसलिए उन्होंने पेराई शुरू नहीं की है।' गन्ना कंट्रोल बोर्ड की बैठक के बाद हमें उम्मीद है कि मुख्यमंत्री 1-2 दिनों में गन्ने की कीमत का एलान कर देंगे, जो पिछले साल से ज्यादा होगी।'

कर्नाटक का किसान संगठन 9.5 फीसदी रिकवरी के लिए फैक्ट्री गेट पर 26,00 रुपए प्रति टन का पहला एडवांस स्वीकार करने के पक्ष में है। हालांकि, पेराई में देरी शुगर इंडस्ट्री के लिए बेहतर होगी, क्योंकि इससे गन्ने को परिपक्व होने का ज्यादा मौका मिलेगा और इससे ज्यादा शुगर मिल सकेगा।

वर्मा ने बताया, 'पिछले साल राज्य सरकार ने नवंबर में पेराई शुरू करने के लिए मजबूर कर दिया था और इससे सिर्फ 8 से 85 फीसदी तक ही रिकवरी हो पाई।'

### 10 नवंबर के बाद प्रोडक्शन

- महाराष्ट्र सरकार ने शुगर मिलों को 1 नवंबर से पेराई चालू करने की इजाजत दे दी है, लेकिन राज्य की ज्यादातर मिलों के 10 नवंबर के बाद ही प्रोडक्शन शुरू करने की संभावना है
- आम चुनाव से पहले उत्तर प्रदेश के नेता इस मामले में किसानों का समर्थन कर रहे हैं। किसान गन्ने की ऊंची कीमत और बकाया रकम के भुगतान के लिए संघर्ष कर रहे हैं
- कुछ चीनी मिलों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई से बिजनौर में मिलों के कुछ एग्जिक्यूटिव्स ने इस्तीफा दे दिया। बाकी इलाकों में मैनेजर हालात पर नजर रखे हुए हैं
- देश के तीसरे सबसे बड़े चीनी उत्पादक राज्य कर्नाटक की मिलें ऑपरेशन शुरू करने से पहले गन्ने की कीमत पर तस्वीर साफ होने का इंतजार कर रही हैं। हाल में राज्य के गन्ना कंट्रोल बोर्ड की बैठक हुई थी

**गन्ने की मौजूदा कीमत पर यूपी में इसका कोई खरीदार नहीं होगा।' यूपी में गन्ने की मौजूदा कीमत 280 रुपए प्रति क्विंटल है। आगामी चुनावों के मद्देनजर हाल में अखिलेश यादव की सरकार ने इसकी कीमत 240 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 280 रुपए प्रति क्विंटल की है। राज्य में चीनी की कीमत 29 रुपए प्रति किलो है**

**अविनाश वर्मा,** डायरेक्टर जनरल, इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन

Economic times
5/11/13